नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

नेरी पुनर्वसन में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का उदघाटन

व्यक्तित्व विकास के लिए शिविर उपयोगी -कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 11 मार्च 2019: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइ का

विशेष शिविर 11 से 17 के दौरान नेरी पुनर्वसन गांव में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उदघाटन

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर कारगर सिद्ध होते हैं। आज ग्रामीण भारत कई दृष्टि से बदल रहा है और वहां से समाज जीवन में भी बदलाव नज़र आ रहे हैं। हमें चाहिए कि उन बदलावों को उजाकर कर उसे देश और व्यापक समाज के हित के लिए उपयोग में लाया जाए। गांव की संस्कृति, कला, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार आदि पर शिविर में स्वयंसेवकों के माध्यम से काम होना चाहिए। ऐसे शिविर समाज तथा लोक के जीवन के पास जाने का मौका देते हैं। यह शिविर 17 मार्च तक चलेगा।

शिविर का उदघाटन सोमवार, 11 मार्च को नेरी पुनर्वसन स्थित समाज भवन में किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच संगीता कस्तुरे, राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, डॉ. रामकृष्ण मिरगे, श्री सुखदेव मिरगे, विजय गडलिंग तथा रासेयो के स्वयंसेवक गिरीश भोगे, कृष्ण किशोर,प्रभात कुमार, हरिंद्र मोहन, राहुम कुमार, मनीष सिंह, सुभाष चंद्र, प्रीतम कुमार, शैलेश भारती, आदेश कुमार, कमलेश मोदनवाल, अनूप कुमार वर्मा, अजीत कुमार, आनंद साहू, तरुण शर्मा प्रमुखता से उपस्थित थे।

नेरी पुनर्वसन येथे राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या विशेष शिबिराचे उदघाटन
व्यक्तिमत्व विकासासाठी शिबिर उपयोगी - कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र

वर्धा, 11 मार्च 2019: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयातील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या वतीने 11 ते 17 मार्च दरम्यान नेरी पुनर्वसन येथे आयोजित करण्यात आले. शिबिराचे उदघाटन विश्वविद्यालयाचे कुलगुरु प्रो. गिरीश्वर मिश्र यांनी केले. ते म्हणाले की विद्यार्थ्यांच्या व्यक्तिमत्व विकासामध्ये राष्ट्रीय सेवा योजनेचे शिबिर महत्वाची भूमिका बजावते. आज ग्रामीण भारत अनेक अंगांनी बदलत आहे ते बदल आपण शिबिराच्या माध्यमातून टिपले पाहिजेत. विकासात्मक बदल नोंदविले तर ते देश आणि समाजजीवनाकरिता अधिक फायदेशीर ठरतील असेही ते म्हणाले. गावातील संस्कृती, कला, शिक्षण, आरोग्य आणि रोजगार या विषयांवरही स्वयंसेवकांनी आपली दृष्टी टाकली पाहिजे जेणेकरुन त्याच्या अभ्यास होण्यास मदत होईल असे आवाहन ही त्यांनी केले.

शिबिराचे उदघाटन सोमवार, 11 मार्च रोजी नेरी पुनर्वसन येथील समाज भवनात करण्यात आले. यावेळी उप सरपंच संगीता कस्तुरे, राष्ट्रीय सेवा योजनेचे संयोजक राजेश लेहकपुरे, कार्यक्रम अधिकारी बी. एस. मिरगे, नेरी पुनर्वसनचे डॉ. रामकृष्ण मिरगे, श्री सुखदेव मिरगे, विजय गडलिंग यांच्यासह राष्ट्रीय सेवा योजनेचे स्वयंसेवक विद्यार्थी स्वयंसेवक गिरीश भोगे, कृष्ण किशोर, प्रभात कुमार, हरिंद्र मोहन, राहुल कुमार, मनीष सिंह, सुभाष चंद्र, प्रीतम कुमार, शैलेश भारती, आदेश कुमार, कमलेश मोदनवाल, अनूप कुमार वर्मा, अजीत कुमार, आनंद साहू, तरुण शर्मा उपस्थित होते.

मा. संपादक/संवाददाता महोदय,

कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें। धन्यवाद।